हिंदी फिल्म इंडस्ट्री के कॉमेडी किंग थे महमूद

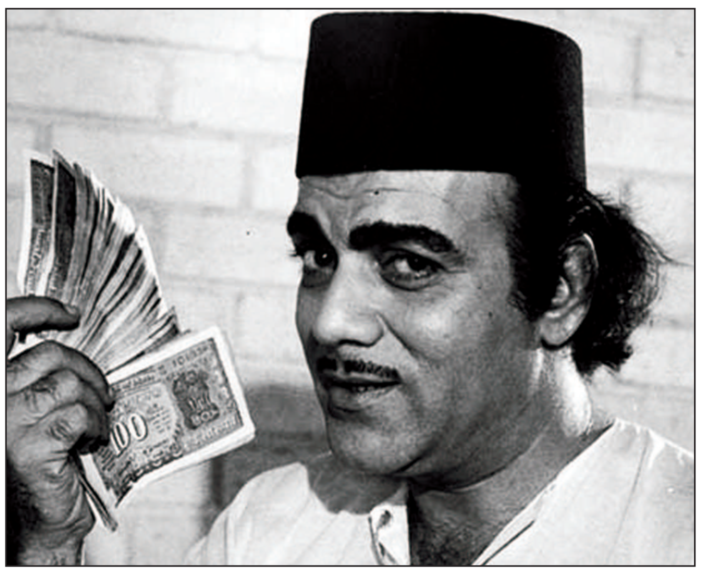

अपने विशिष्ट अंदाज, हाव-भाव और आवाज से लगभग पांच दशक तक दर्शको को हंसाने और गुदगुदाने वाले महमूद ने फिल्म इंडस्ट्री में किंग ऑफ कॉमेडी का दर्जा हासिल किया, लेकिन इसके लिये उन्हें काफी संघर्ष का सामना करना पड़ा था और यहां तक सुनना पड़ा था कि वह न तो अभिनय कर सकते हैं ना ही कभी अभिनेता बन सकते हैं.

बाल कलाकार से हास्य अभिनेता के रूप मे स्थापित हुए महमूद का जन्म 29 सितम्बर 1932 को मुंबई में हुआ था.उनके पिता मुमताज अली बाम्बे टाकीज स्टूडियो में काम किया करते थे. घर की आर्थिक जरूरत को पूरा करने के लिए महमूद मलाड और विरार के बीच चलने वाली लोक ल ट्रेनो में टॉफिया बेचा करते थे. बचपन के दिनों से ही महमूद का रूझान अभिनय की ओर था और वह अभिनेता बनना चाहते थे. अपने पिता की सिफारिश की वजह से महमूद को बाम्बे टाकीज की वर्ष 1943 मे प्रदर्शित फिल्म किस्मत में अभिनेता अशोक कुमार के बचपन की भूमिका निभाने का मौका मिला. इस बीच महमूद ने कार ड्राइव करना सीखा और निर्माता ज्ञान मुखर्जी के यहां बतौर ड्राइवर काम करने लगे क्योंकि इसी बहाने उन्हें मालिक के साथ हर दिन स्टूडियो जाने का मौका मिल जाया करता था जहां वह कलाकारों को करीब से देख सकते थे.

महमूद के किस्मत का सितारा तब चमका जब फिल्म नादान की शूटिंग के दौरान अभिनेत्री मधुबाला के सामने एक जूनियर कलाकार लगातार दस रीटेक के बाद भी अपना संवाद नहीं बोल पाया. फिल्म निर्देशक हीरा सिंह ने यह संवाद महमूद को बोलने के लिए दिया जिसे उन्होंने बिना रिटेक एक बार में ही ओके कर दिया. इस फिल्म में महमूद को बतौर 300 रूपये प्राप्त हुए जबकि बतौर ड्राइवर महमूद को महीने मे मात्र 75 रूपए ही मिला करते थे. इसके बाद महमूद ने ड्राइवरी करने का काम छोड़ दिया और अपना नाम जूनियर आर्टिस्ट एसोसिएशन मे दर्ज करा दिया. बतौर जूनियर आर्टिस्ट महमूद ने दो बीघा जमीन, जागृति, सी.आई.डी., प्यासा जैसी फिल्मों में छोटे मोटे रोल किए जिनसे उन्हें कुछ खास फायदा नहीं हुआ. इसी दौरान महमूद ने ए.भी.एम के बैनर तले बनने वाली फिल्म मिस मैरी के लिये स्क्रीन टेस्ट दिया. लेकिन ए.भी.एम बैनर ने महमूद को स्क्रीन टेस्ट में फेल कर दिया. महमूद के बारे में ए.भी.एम की राय कुछ इस तरह की थी कि वह ना कभी अभिनय कर सकते है ना ही अभिनेता बन सकते है.

वरुण ने शो 'इत्ती सी खुशी' में गैर-जिम्मेदार पिता का किरदार निभाया

जानेमाने अभिनेता वरुण बडोला ने सोनी सब के शो 'इत्ती सी खुशी' में एक शराबी, गैर-जिम्मेदार पिता का किरदार निभाया है.

वरुण बडोला इस शो में सुहास दिवेकर की भूमिका निभा रहे हैं, एक ऐसा किरदार जो पारंपरिक पिता के सांचे में फिट नहीं बैठता. वह दिलकश है, लेकिन गैरमौजूद; प्यार करता है, लेकिन भरोसे के लायक नहीं है. दर्द से बचने के लिए शराब और होने से ही इनकार का सहारा लेता है. इस जटिलता ने ही वरुण को इस किरदार की ओर खींचा और इसे निभाना उनके लिए एक भावनात्मक यात्रा बन गया.

वरुण बडोला ने कहा, यदि सुहास एक सीधा-सादा किरदार होता. बस एक शराबी और नाकाम इंसान तो उसे समझना और निभाना कहीं आसान होता. ऐसे किरदार को विलेन बनाना बहुत आसान है. लेकिन मुझे जो ब्रीफ मिला, उसमें साफ कहा गया था कि सुहास चाहे जैसा भी बर्ताव करे, वो हमेशा प्यारा बना रहना चाहिए. असली चुनौती वहीं थी और वहीं से ये किरदार रोमांचक बन गया. एक ज़रा सी चूक और वो नेगेटिव लग सकता था. उसे प्यारा बनाए रखने के लिए, आपको उसे वैसे ही स्वीकार करना पड़ता है जैसा वो है और एक अभिनेता के तौर पर, मुझे भीतर ही भीतर पहले उसे माफ़ करना पड़ा ताकि मैं उसे निभा सकूं. ये आसान नहीं था. हर सीन पढ़ते वक्त ऐसे पल आए जब मुझे उससे नफ़रत हुई, उसके फैसलों पर सवाल उठाए. और ईमानदारी से कहूं तो, अब तक के मेरे सभी शोज़ में से यह सबसे चुनौतीपूर्ण भूमिकाओं में से एक है. लेकिन हां, सुहास एक खूबसूरती से लिखा गया किरदार है और मैं सच में चाहता हूं कि मैं उसके साथ न्याय कर सकूं.

करोड़ों की संपत्ति के मालिक हैं हिमेश रेशमिया

हिमेश रेशमिया के गाने हमेशा लोगों की जुबान पर रहते हैं. सिंगिंग में उन्होंने खूब नाम कमाया, लेकिन एक्टिंग में वो कोई खास कमाल नहीं दिखा पाए. उनकी लव लाइफ की बात करें तो उनकी पहली शादी कोमल से हुई थी, जो 22 साल बाद 2016 में टूट गई. उनका एक बेटा स्वयं भी है. 2018 में हिमेश ने टीवी एक्ट्रेस सोनिया कपूर से दूसरी शादी की. मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, उनकी नेटवर्थ करीब 129 करोड़ रुपये बताई जाती है.हिमेश और सोनिया मुंबई के लोखंडवाला में ओबेरॉय स्काई हाइट्स के एक बड़े अपार्टमेंट में रहते हैं. ये घर इतना शानदार है कि किसी बंगले से कम नहीं लगता. घर की एंट्री पर एक बड़ा और सुंदर एरेका पाम का पौधा लगा है, जो घर को शाही लुक देता है. जैसे ही आप अंदर जाते हैं, लकड़ी के स्टाइलिश दरवाजे नजर आते हैं.हिमेश का लाउंज बेहद आलिशान है. इसकी दीवारें ऑफ-व्हाइट रंग की हैं और लाइट शेड के सोफों पर रंग-बिरंगे कुशन सजे हैं. गोल्डन डेकोर दीवारों को और खूबसूरत बनाता है. लाउंज में एक बड़ा लाल राउंड सोफा सबसे ज्यादा आकर्षित करता है. समुद्र के सामने होने की वजह से घर में बड़ी बालकनी है, जहां फ्रेंच खिड़कियों पर रोलर ब्लाइंड्स लगे हैं.घर का डाइनिंग एरिया भी काफी बड़ा है. यहां कांच की खिड़कियों के लोगों के बैठने की डाइनिंग टेबल है. लिविंग रूम और डाइनिंग एरिया एक साथ जुड़े हैं. डाइनिंग टेबल के पीछे ऑफ-व्हाइट सोफा, खूबसूरत टेबल, लकड़ी की अलमारी और बड़ी स्क्रीन है. घर में लकड़ी का बेहतरीन तरीके से हुआ है. दरवाजे, खिड़कियां और सीढ़ियां लकड़ी और शीशे से बनी हैं. बीच में बनी वुडन सीढ़ियां घर को क्लासिक लुक देती हैं.

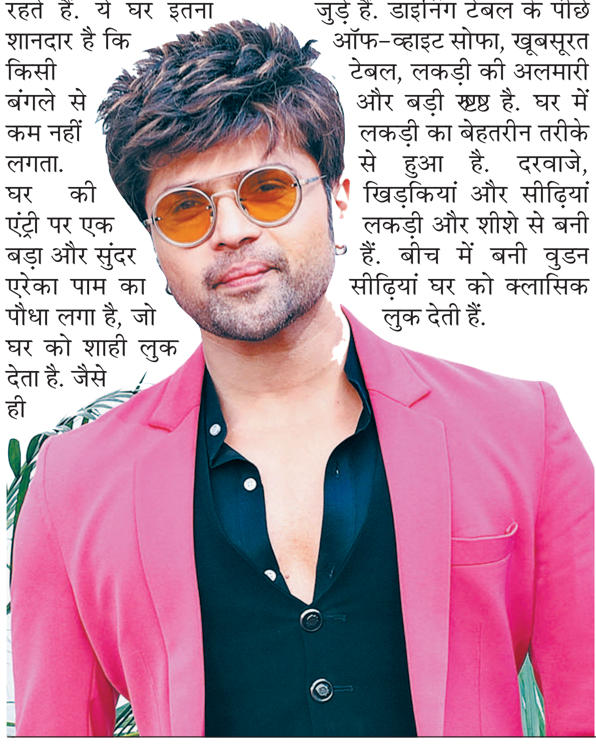

सन ऑफ सरदार 2 के लिये अजय देवगन को दी बधाई

बॉलीवुड स्टार संजय दत्त ने अजय देवगन को उनकी आने वाली फिल्म %सन ऑफ सरदार 2 के लिये बधाई दी है. अजय देवगन इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म %सन ऑफ सरदार 2 को लेकर चर्चा में हैं. यह फिल्म वर्ष 2012 में प्रदर्शित सुपरहिट फिल्म 'सन ऑफ सरदार' की सीक्वल है. फिल्म 'सन ऑफ सरदार% में अजय देवगन के साथ संजय दत्त महत्वपूर्ण भूमिका में थे. 'सन ऑफ सरदार 2' में संजय दत्त काम नहीं कर रहे हैं. हाल ही में इस फिल्म का दूसरा ट्रेलर जारी किया गया है. इसे दर्शकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है. संजय दत्त ने इस फिल्म के लिए अजय देवगन को बधाई दी है.

संजय दत्त ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर सन ऑफ सरदार 2 का दूसरा ट्रेलर शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा है %सन ऑफ सरदार 2 के लिए आपको बधाई राजू, यदि इसे हम एकसाथ करते तो और भी मजा आता. विजय कुमार अरोड़ा के निर्देशन में बनी फिल्म 'सन ऑफ सरदार 2 में अजय देवगन के साथ मृणाल ठाकुर, चंकी पांडेय, रवि किशन, विंदू दारा सिंह और संजय मिश्रा जैसे कलाकार भी नजर आयेंगे.

महान रंगकर्मी रतन थियम का निधन

भारत के सबसे प्रभावशाली रंगमंच निर्देशकों और नाटककारों में से शुमार रतन थियम का आज निधन हो गया. वह 77 वर्ष के थे. आधुनिक भारतीय रंगमंच की महान हस्ती और थिएटर ऑफ़ रूट्स आंदोलन के एक प्रमुख स्तंभ माने जाने वाले, श्री थियम का नाट्य कलाओं में योगदान लगभग पाँच दशकों तक रहा. उन्होंने यहां के रिम्स अस्पताल में अंतिम सांस ली.

श्री थियम 1987 से 1989 तक राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय (एनएसडी) के निदेशक और बाद में 2013 से 2017 तक इसके अध्यक्ष के रूप में कार्य किया. उन्होंने संगीत नाटक अकादमी के उपाध्यक्ष पद पर भी कार्य किया. श्री थियम को कई पुरस्कार भी मिले. उन्हें निर्देशन के लिए 1987 में संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार और बाद में 2012 में प्रतिष्ठित संगीत नाटक अकादमी फ़ेलोशिप से सम्मानित किया गया.

अमीषा पटेल ने अहान-अनीत को दीं शुभकामनाएं

बॉलीवुड अभिनेत्री अमीषा पटेल ने अहान पांडे और अनीत पड्डा को उनकी सुपरहिट फिल्म सैयारा के लिये शुभकामनाएं दी है. मोहित सूरी के निर्देशन में बनी और वाईआरएफ के सीईओ अक्षय विधानी निर्मित सैयारा,18 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज़ हुयी है.इस फिल्म में अहान पांडे और अनीत पड्डा की रोमांटिक केमिस्ट्री को दर्शक बेहद पसंद कर रहे हैं. फिल्म सैयारा बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रही है.%सैयारा% को क्रिटिक्स के साथ-साथ स्टार्स के भी शानदार रिव्यू मिल रहे हैं. इस फिल्म की तुलना वर्ष 2000 में रिलीज हुई ऋतिक रोशन और अमीषा पटेल की सुपरहिट फिल्म कहो ना... प्यार है% से भी की जा रही है. इस पर अब अमीषा पटेल का रिएक्शन आया है.

अमीषा पटेल ने एक्स पर लिखा,सैयारा के कपल अहान और अनीत को ढेर सारी शुभकामनाएं! आगे की फिल्मों में भी ऐसे ही बॉक्स ऑफिस पर गदर मचाते रहो! कहो नाज्प्यार है हमेशा चमकता रहे और फिल्मों की दुनिया में आपका स्वागत है.

मध्यप्रदेश में टैक्स फ्री हुई तन्वी द ग्रेट

बॉलीवुड के जानेमाने अभिनेता और फिल्मकार अनुपम खेर ने फिल्म तन्वी द ग्रेट को मध्य प्रदेश में टैक्स फ्री करने के लिए मुख्यमंत्री मोहन यादव का धन्यवाद किया.

अनुपम खेर ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह भोपाल में मुख्यमंत्री मोहन यादव से मिलते हुए नजर आ रहे हैं.अनुपम खेर ने इस वीडियो को इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुये पोस्ट के कैप्शन में लिखा, मध्य प्रदेश में टैक्स फ्री- मुख्यमंत्री मोहन यादव जी! कल भोपाल में पहले आपके निवास स्थान पर आपसे मुलाकात हुई. उसके बाद हमारे लिए ये सौभाग्य की बात रही कि आप हमारी फिल्म तन्वी द ग्रेट थिएटर में देखने आए. आपने न सिर्फ हमारी फिल्म की तारीफ की, बल्कि फिल्म की भावना को समझकर इसे टैक्स फ्री भी घोषित कर दिया.

अनुपम खेर ने कहा, फिल्म को टैक्स फ्री करने का फैसला आपके सामाजिक मुद्दों और भारतीय सेना के प्रति खास सम्मान और भावनाओं को दर्शाता है. एक बार फिर आपका और आपके मंत्रिमंडल और अन्य कर्मचारियों का हृदय से धन्यवाद! जय हिन्द!

फिल्म तन्वी द ग्रेट में शुभांगी दत्त मुख्य भूमिका में हैं, जबकि अनुपम खेर, जैकी श्रॉफ, बोमन ईरानी, पल्लवी जोशी, करण टैकर और इयान ग्लेन जैसे कलाकार की अहम भूमिका है. इस फिल्म का निर्माण अनुपम खेर स्टूडियोज ने एनएफडीसी (राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम) के साथ मिलकर किया है. यह फिल्म 18 जुलाई को रिलीज हुयी है.

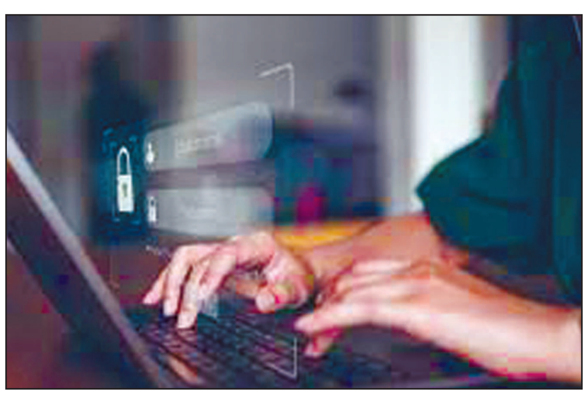

फोन से स्क्रीनशॉट चुरा रहा है यह मैलवेयर

साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों ने एक नए मोबाइल मैलवेयर SparkKitty की पहचान की है, जो फर्जी एप्लिकेशन के जरिए स्मार्टफोन यूजर्स को निशाना बना रहा है. यह मैलवेयर यूजर्स की फोटो गैलरी से इमेज और स्क्रीनशॉट चुरा लेता है. इनमें क्रिप्टोकरेंसी वॉलेट की रिकवरी फ्रेज या अन्य संवेदनशील जानकारी हो सकती है. SparkKitty एंड्रॉयड और iOS दोनों प्लेटफॉर्म पर पाया गया है और विशेषज्ञों का कहना है कि यह उन यूजर्स के लिए गंभीर खतरा है जो अपने फोन से डिजिटल एसेट्स मैनेज करते हैं.

क्या है SparkKitty मैलवेयर? SparkKitty एक Trojan Virus है, जो असली एप की तरह दिखता है लेकिन बैकग्राउंड में खतरनाक गतिविधियां करता है. सुरक्षा शोधकर्ताओं ने पाया है कि यह खुद को कई फर्जी एप्स में छुपाता है, जैसे क्रिप्टो कन्वर्टर, मैसेजिंग एप और सोशल मीडिया एप [illegible] के अनऑफिशियल वर्जन. हैरानी की बात यह है कि इनमें से कुछ एप्स आधिकारिक एप स्टोर्स पर भी अपलोड हो चुके थे, लेकिन रिपोर्ट के बाद हटा दिए गए.

SparkKitty दरअसल पुराने SparkCat मैलवेयर का मोबाइल वर्जन है, जो पहले macOS और Windows सिस्टम्स को निशाना बनाता था. Kaspersky के Secure List रिसर्चर्स ने दोनों मैलवेयर में कई समानताएं पाई हैं. इससे यह साफ है कि हमलावर अब स्मार्टफोन यूजर्स को ज्यादा टारगेट कर रहे हैं क्योंकि लोग अपने वित्तीय डेटा का मैनेजमेंट भी अब मोबाइल से ही करने लगे हैं.

SparkKitty कैसे काम करता है?- जब कोई यूजर फर्जी एप डाउनलोड करता है जिसमें SparkKitty छिपा होता है, तो यह फोन की फोटो गैलरी का एक्सेस मांगता है. एंड्रॉयड फोन की गैलरी की सभी इमेज स्कैन करता है.

अंतरिक्ष में पहुंचने वाली पहली डॉगी की कहानी

मॉस्को अंतरिक्ष की यात्रा और एस्ट्रोनॉट से जुड़ी कई खबरें हमें हालिया महीनों में सुनने को मिली है. हाल ही में सुशांशु शुक्ला स्पेस से लौटे हैं. उनसे पहले सुनीता विलियम्स के नौ महीने तक अंतरिक्ष में फंस जाने ने दुनियाभर में सुर्खियां बटोरी थीं. बीते 6-7 दशकों में कई देशों में स्पेस में प्रभाव बढ़ाने को लेकर मुकाबला रहा है. इस सबसे बीच आज अगर ये कहा जाए कि स्पेस में अमेरिका और रूस जैसे देश जब अपने शुरुआती मिशन लॉन्च कर रहे थे तो एक कुतिया अंतरिक्ष यात्री बनी थी और पूरे सोवियत की हीरो बन गई थी. ये करीब 68 साल पहले हुआ था और इस कुतिया का नाम लाइका था.

रूस ने 1957 में यानी 68 साल पहले करीब तीन वर्षीय लाइका को रॉकेट में बैठाया था. ऐसे में उसे रॉकेट डॉग भी कहा जाता है. मॉस्को की सड़कों पर घूमने वाली लाइका का असली नाम कुद्रजावका था, जिसका रूसी में मतलब घुंघराला होता है. हालांकि स्पेस में जाने के बाद उसको दुनिया ने लाइका के नाम से जाना गया. आज भी स्पेस साइंस की दुनिया में लाइका को याद किया जाता है. रूस ने खासतौर से उसके अंतरिक्ष यान से काफी अहम डाटा हासिल किया था.

लाइका को रूसी स्पेस वैज्ञानिकों ने मॉस्को की सड़क से उठाया था. उसे इसलिए चुना गया क्योंकि वह छोटी, शांत और कठिन परिस्थितियों में रही थी. 3 नवंबर, 1957 को लाइका को स्पुतनिक-2 से लॉन्च किया गया. इस कैप्सूल में खाना, पानी और गद्देदार दीवारें थीं लेकिन इसकी वापसी की कोई योजना नहीं थी. लाइका को वापस लाने की बात कभी नहीं हुई. ऐसे में लॉन्च के साथ ही लाइका इतिहास बन गई.

दुनिया का सबसे विशाल लौह अयस्क भंडार

भूवैज्ञानिकों को ऑस्ट्रेलिया में बड़ी कामयाबी मिली है. वैज्ञानिकों ने एक अभूतपूर्व खोज में पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया के पिलबारा क्षेत्र में लौह अयस्क के विशाल भंडार का पता लगाया है. इसे दुनिया में अब तक खोजा गया सबसे बड़ा लोहे का भंडार माना जा रहा है. इस भंडार की कीमत 6 ट्रिलियन डॉलर आंकी गई है. एक्सपर्ट का कहना है कि यह खोज ना केवल वैश्विक लौह बाजार में क्रांति लाएगी बल्कि पृथ्वी के भूवैज्ञानिक इतिहास को लेकर भी नई समझ पैदा करेगी.

ऑस्ट्रेलिया का पिलबारा क्षेत्र अपने सूखे भूभाग और समृद्ध खनिज संसाधनों के लिए जाना जाता है. अब यह तक खोजे गए सबसे बड़े लौह अयस्क भंडार का घर बन गया है. इस खोज ने वैज्ञानिकों की लौह सांद्रता पर

समझ को भी बदला है. इन संरचनाओं की आयु पहले 2.2 अरब वर्ष थी, अब इसे संशोधित करके 1.4 अरब वर्ष कर दिया है.

तकनीक से मिली सफलता- ऑस्ट्रेलिया में हुई इस खोज में तकनीक ने बड़ी भूमिका निभाई है. भूवैज्ञानिकों को उन्नत आइसोटॉपिक डेटिंग और रासायनिक विश्लेषण से ना केवल भंडार के विशाल आकार का पता चला बल्कि अयस्क की शानदार गुणवत्ता का भी पता चला. प्रारंभिक अनुमानों के बाद 30 प्रतिशत लौह सामग्री को संशोधित कर 60 प्रतिशत से अधिक कर दिया गया है.

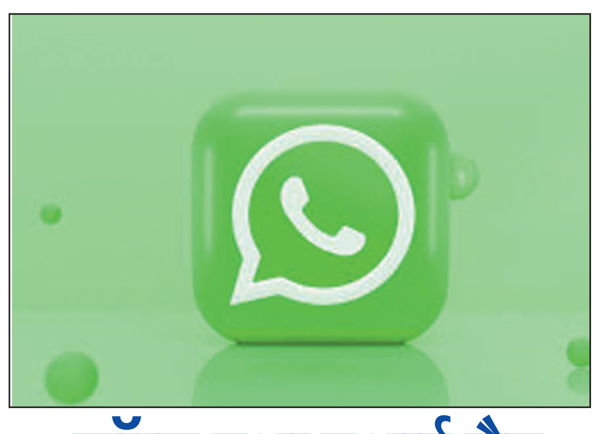

लॉन्च हुआ एआई चैट वॉलपेपर फीचर

व्हाट्सएप ने एक नया फीचर शुरू किया है, जो उपयोगकर्ताओं को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से अपने खुद के चैट वॉलपेपर बनाने की सुविधा देता है. [illegible] के लिए व्हाट्सएप के लेटेस्ट वर्जन पर अपडेट करने के बाद, यूजर्स प्रॉम्प्ट (कमांड) देकर कस्टम चैट बैकग्राउंड जनरेट कर सकते हैं और फिर उसमें बदलाव कर उसे वॉलपेपर के रूप में सेट कर सकते हैं. यह फीचर मेटा एआई पर आधारित है और एंड्रॉयड के बीटा वर्जन पर भी टेस्टर्स के लिए उपलब्ध है.

कैसे काम करता है यह AI-पावर्ड चैट वॉलपेपर फीचर?

व्हाट्सएप का यह फीचर iOS वर्जन 25.19.75 पर अपडेट करने के बाद Settings > Chats > Default chat theme > Chat theme में जाकर "Create with AI" विकल्प के रूप में दिखाई देगा. फीचर ट्रैकर WABetaInfo ने इसे सबसे पहले देखा था और यह स्टेबल अपडेट चैनल पर धीरे-धीरे रोलआउट हो रहा है.

एक बार फीचर उपलब्ध होने पर, "Create with AI" विकल्प पर टैप करने से एक पॉप-अप कार्ड खुलेगा जिसमें एक टेक्स्ट फील्ड होगा. यहां यूजर्स को अपनी कल्पना के अनुसार कोई प्रॉम्प्ट देना होगा. कुछ सेकंड में Meta AI उस प्रॉम्प्ट के आधार पर कई वॉलपेपर इमेजेस जनरेट कर देगा, जिन्हें यूजर नीचे स्वाइप करके देख सकते हैं.

यूजर्स चाहें तो Make changes बटन पर टैप करके अपनी पसंद के अनुसार वॉलपेपर को रीजनरेट भी कर सकते हैं. वांछित वॉलपेपर चुनने के बाद, व्हाट्सएप यूजर को उसकी पोजिशन एडजस्ट करने और डार्क मोड में ब्राइटनेस कंट्रोल करने का विकल्प भी देगा, इसके बाद "Set" बटन दबाकर वॉलपेपर सेट किया जा सकता है.